Rainbow series

स्वर ज्ञान

इस श्रृंखला को राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा (NCF) 2023 के साथ मूलभूत चरणों के लिए सरेंखण करना

हमारी यह नई श्रृंखला राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा (NCF) 2023 के दिशा-निर्देशों पर आधारित है। इसमें बच्चों के खेल आधारित, गतिविधि आधारित और अनुभव आधारित शिक्षण को केंद्र में रखते हुए सामग्री तैयार की गई है।

'पंचादि' शिक्षण प्रक्रिया– प्रारंभिक वर्षों के लिए

पंचादि (पाँच-चरणीय शिक्षण प्रक्रिया) को ध्यान में रखते हुए हमने प्रत्येक पाठ और गतिविधि को इस क्रम में प्रस्तुत किया है:

- **अदिति (परिचय)** – बच्चों की रुचि जगाने और विषय से परिचित कराने हेतु कहानियाँ, गीत और चित्र।
- **बोध (समझ)** – सरल भाषा और गतिविधियों के माध्यम से बुनियादी अवधारणाएँ समझाना।
- **अभ्यास (प्रयास)** – रंग भरो, मिलान करो, पहचानों जैसी दोहराव आधारित गतिविधियाँ।
- **प्रयोग (अनुभव)** – बच्चों को अपने परिवेश में सीखी बातों को पहचानने व अपनाने की प्रेरणा देना।
- **विस्तार (बातचीत)** – समूह चर्चा, कहानी सुनाना या चित्र दिखाकर बच्चों की अभिव्यक्ति क्षमता बढ़ाना।

पंचकोषीय विकास पर आधारित

(NCF) 2023 के अनुरूप बच्चों के पाँचों प्रमुख विकास क्षेत्रों पर यह श्रृंखला विशेष ध्यान देती है:

- **शारीरिक विकास** – मोटर स्किल्स विकसित करने हेतु रंगना, कतरना, चिपकाना और खेल गतिविधियाँ।
- **मानसिक विकास** – भावनात्मक समझ, आत्मविश्वास और सहयोग की भावना को विकसित करना।
- **बौद्धिक विकास** – सोचने, पहचानने और प्रश्न पूछने की क्षमता को बढ़ावा देना।
- **नैतिक विकास** – 'सच बोलो', 'मिल-जुल कर रहो' जैसे नैतिक संदेशों वाली कहानियाँ और चित्र।
- **आध्यात्मिक विकास** – प्रकृति प्रेम, करुणा और आत्म-चिंतन जैसी मूल मान्यताओं का समावेश।

हमारा उद्देश्य है कि बच्चे न केवल हिंदी भाषा में दक्ष हों, बल्कि नैतिक, बौद्धिक और भावनात्मक रूप से भी सशक्त बनें। हमें विश्वास है कि यह श्रृंखला बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की नींव रखने में सहायक सिद्ध होगी।

गतिविधि दर्शिका

चितंन कौशल (Critical Thinking)

बच्चों को वर्णों और मात्राओं के सही उच्चारण और लेखन सिखाने हेतु चरणबद्ध निर्देश।

खेल आधारित ज्ञान (Play-based Learning)

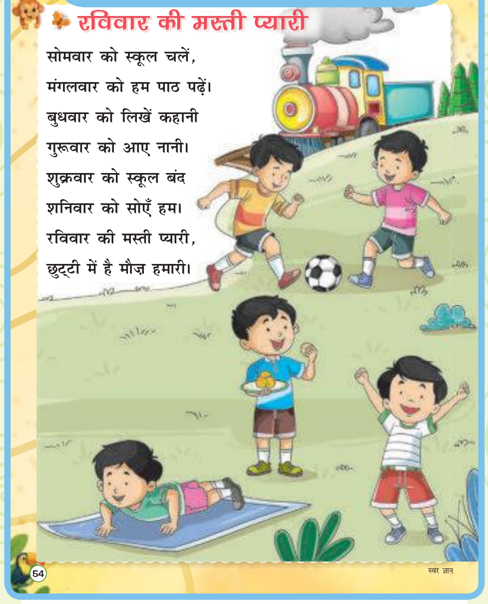

कविता में वर्णमाला और मात्राओं का अभ्यास समाहित।

विषय एकीकरण (Subject Integration)

हिंदी के 12 महीनों के नाम सीखना और याद करना।

बौद्धिक विकास (Cognitive Development)

वर्णमाला और मात्राओं को पहचानने और लिखने के लिए विशेष वर्कशीट्स।

विषय एकीकरण (Subject Integration)

गिनती 1 से 20 तक सही क्रम में समझाना

विषय-सूची

वर्णमाला (पुनरावृत्ति)	5
दो अक्षरों से बने शब्द	6
तीन अक्षरों से बने शब्द	7
चार अक्षरों से बने शब्द	8
अभ्यास	9
आधे अक्षरों से बने शब्द	10
अभ्यास	11
मात्राओं का ज्ञान	12
आ 'ा' की मात्रा	13-14
अभ्यास	15
इ 'ि' की मात्रा	16-17
अभ्यास	18
ई 'ी' की मात्रा	19-20
अभ्यास	21
उ 'ु' की मात्रा	22-23
अभ्यास	24
ऊ 'ू' की मात्रा	25-26
अभ्यास	27
ऋ 'ृ' की मात्रा	28-29
अभ्यास	30
ए 'े' की मात्रा	31-32
अभ्यास	33
ऐ 'ै' की मात्रा	34-35
अभ्यास	36
ओ 'ो' की मात्रा	37-38
अभ्यास	39
औ 'ौ' की मात्रा	40-41
अभ्यास	42
अं 'ं' की मात्रा	43-44
अभ्यास	45
अः 'ः' की मात्रा	46
अभ्यास	47
रेफ (र्) की मात्रा	48-49
अभ्यास	50
पदेन '्र, ्र'	51-52
अभ्यास	53
रविवार की मस्ती प्यारी	54
वर्ष में महीने	55
गिनती (1 से 20)	56

वर्णमाला (पुनरावृत्ति)

स्वर

स्वर वे वर्ण होते हैं जो मात्रा के रूप में प्रयोग किए जाते हैं।

अ आ इ ई उ ऊ ऋ

ए ऐ ओ औ अं अः

व्यंजन

व्यंजन वे वर्ण होते हैं जिन पर मात्राएँ लगती हैं।

क वर्ग →	क	ख	ग	घ	ङ
च वर्ग →	च	छ	ज	झ	ञ
ट वर्ग →	ट	ठ	ड	ढ	ण
त वर्ग →	त	थ	द	ध	न
प वर्ग →	प	फ	ब	भ	म
	य	र	ल	व	
	श	ष	स	ह	
	क्ष	त्र	ज्ञ		

अतिरिक्त व्यंजन

ड़ ढ़

अतिरिक्त वर्णों से किसी भी शब्द की शुरुआत नहीं होती।

वर्ण को अक्षर भी कहते हैं।

दो अक्षरों से बने शब्द

10

ज + ल = जल

द + स = दस

फ + ल = फल

पढ़िए और समझिए

अब	घर	धन	कल
बस	मग	जग	हल
सच	थन	फट	रट

जय चल। अब घर चल। लड़ मत। बस पर चढ़। चल अब। हठ मत कर। रथ पर मत चढ़। दस बज गए। घर तक चल।

शिक्षण निर्देश

शिक्षक बच्चों को दो अक्षरों के शब्द बनाने के लिए प्रेरित करें।

भाषा कौशल

तीन अक्षरों से बने शब्द

क + म + ल	क + ल + श	ब + त + ख
कमल	कलश	बतख

पढ़िए और समझिए

चटक	सड़क	हवन	भगत
मगर	नमन	नहर	शहर
मटर	पलक	गरम	अकड़

रमन कलश पकड़।
शहर तक चल।
इधर-उधर मत टहल।
नमन शहद चख।

शिक्षण निर्देश

शिक्षक बच्चों को तीन अक्षरों के शब्द बनाने के लिए प्रेरित करें।

भाषा कौशल

चार अक्षरों से बने शब्द

त + र + क + श

तरकश

ब + र + ग + द

बरगद

अ + च + क + न

अचकन

पढ़िए और समझिए

अकबर	टमटम	सरकस	बरगद
कटहल	नटखट	शबनम	झटपट
गरदन	अदरक	पनघट	उलझन

अकबर अचकन पहन।
थरमस इधर रख।
झटपट चल।
नटखट मत बन।
टमटम पर चढ़।

शिक्षण निर्देश

शिक्षक बच्चों को चार अक्षरों के शब्द बनाने के लिए प्रेरित करें।

भाषा कौशल

अभ्यास

1. व्यंजनों का मिलान करके सही शब्द बनाइए–

य	थ	....
ध	ल	....
न	ग	....
प	ज्ञ	....
र	न	....

2. दिए गए चित्रों को देखिए और शब्द पूरे कीजिए–

मग..............	लह..............	कम..............	फस..............

3. वर्णों को जोड़कर शब्द बनाइए–

उ + ब + ट + न = ...

ग + र + द + न = ...

ब + र + ग + द = ...

उ + प + व + न = ...

आधे अक्षरों से बने शब्द

छ + प् + प + र = छप्पर	म + क् + का = मक्का	अ + न् + न = अन्न

पढ़िए और समझिए

कष्ट	सभ्य	नष्ट	सत्य
दफ्तर	अध्यक्ष	अन्त	व्यय
मस्त	शस्त्र	अस्त्र	दस्त

मन्नत हलचल मत कर।
जन्नत झटपट घर चल।
सत्य वचन कह। मस्त
रह। सभ्य शब्द कह।

शिक्षण निर्देश

शिक्षक बच्चों को चार अक्षरों के शब्द बनाने के लिए प्रेरित करें।

भाषा कौशल

अभ्यास

नीचे दिए शब्दों में उचित अक्षर लिखिए–

1. च — मच

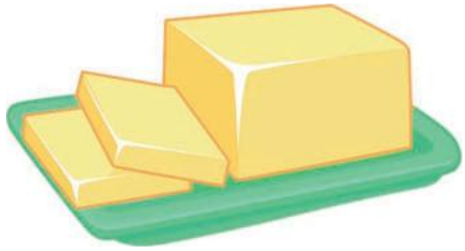

2. म — खन

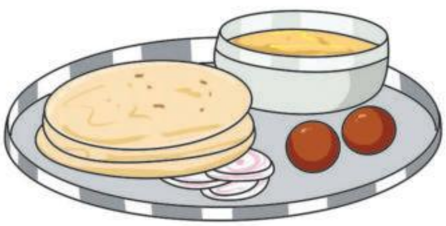

3. अ — न

4. व — त्र

5. श — त्र

6. ज़ — म

मात्राओं का ज्ञान

स्वरों को जब व्यंजनों में जोड़ा जाता है तो वे मात्रा कहलाते हैं।

स्वर	मात्रा	शब्द
अ	कोई मात्रा नहीं	जल
आ	ा	कान
इ	ि	किरन
ई	ी	चील
उ	ु	सुख
ऊ	ू	धूप
ऋ	ृ	मृग
ए	े	बेर
ऐ	ै	बैल
ओ	ो	ओम
औ	ौ	औज़ार
अं	ं	अंग
अः	ः	अतः

आ 'ा' की मात्रा

चित्र देखिए और अक्षरों को जोड़कर शब्द पढ़िए–

ज + ा + ल

जाल

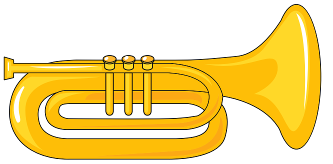

ब + ा + ज + ा

बाजा

छ + ा + त + ा

छाता

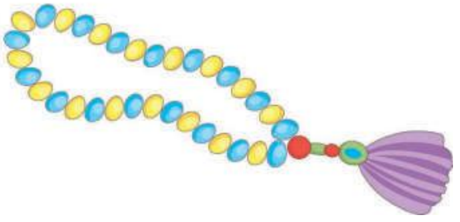

म + ा + ल + ा

माला

अ + च + ा + र

अचार

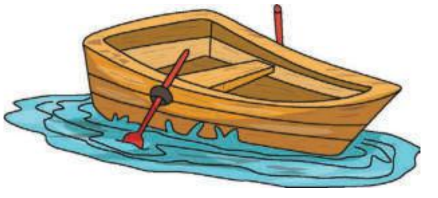

न + ा + व

नाव

पढ़िए और समझिए

लाला	काला	नाला	माल
मकान	गाल	माया	नाव
डाक	आज	राजा	पाठ
साल	ताला	बाज़ार	गाजर
आया	नायक	लाल	गधा

शिक्षण निर्देश

शिक्षक बच्चों को "आ" की मात्रा (ा) का शुद्ध उच्चारण करना सिखाएँ तथा उन्हें बताएँ कि "आ" की मात्रा (ा) व्यंजन के दाईं ओर लगाई जाती है।

बोल-बोलकर पढ़िए।

अमन छाता ला। घर पर ताला लगा।

नाव पर चढ़। बाज़ार जाकर आम व गाजर ला।

इधर-उधर मत जा।

सावन आया। फल लाया।

सावन पालक खा।

गाजर व टमाटर का सलाद बना।

दाल चावल रायता खा। गरम गरम हलवा चखा।

अभ्यास

आ 'ा' की मात्रा वाले शब्दों के चित्र में रंग भरिए–

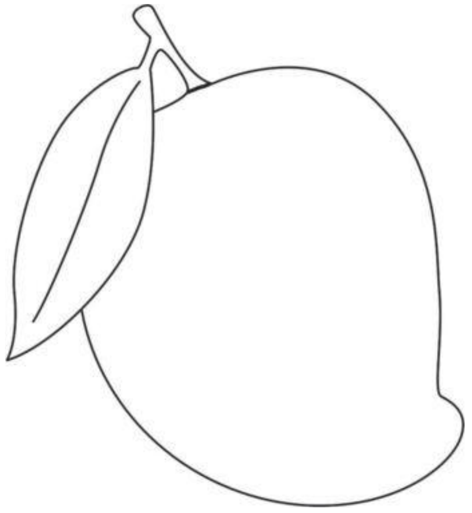

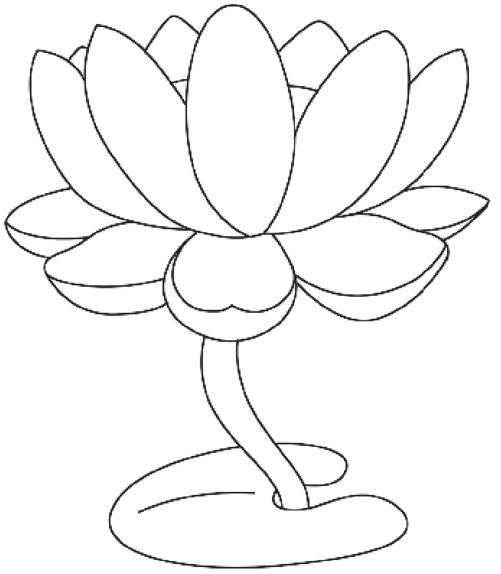

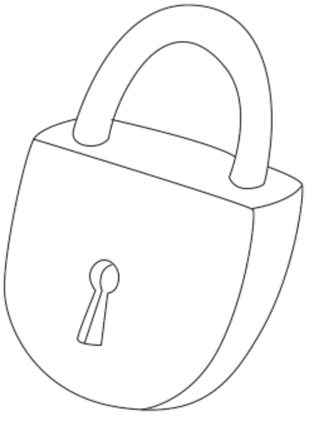

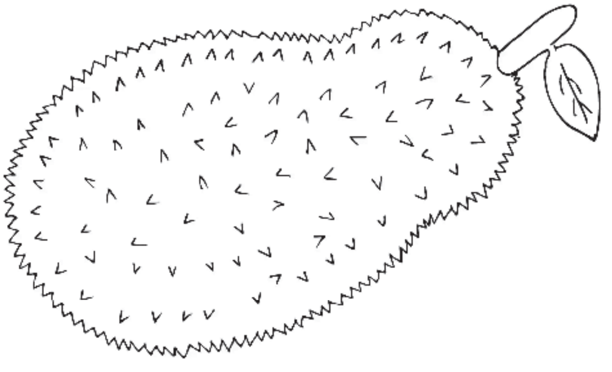

इ ‘ि’ की मात्रा

चित्र देखिए और अक्षरों को जोड़कर शब्द बनाइए–

ि + ट + क + ट
टिकट

ि + क + र + ण
किरण

ि + ह + र + न
हिरन

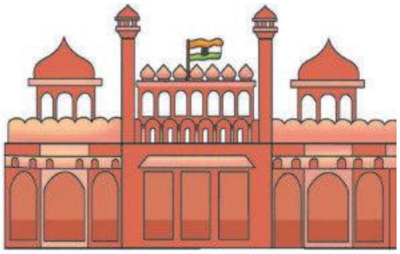

ि + त + ल + क
तिलक

ि + ग + ल + ा + स
गिलास

ि + क + ल + ा
किला

पढ़िए और समझिए

गिन	लिख	दिन	पिन
बिल	मिल	सिर	सिल
रवि	कवि	किला	सिला
पहिया	कविता	सविता	सितार
निकला	किताब	गिटार	किसान

शिक्षण निर्देश

शिक्षक बच्चों को “इ” की मात्रा (ि) का शुद्ध उच्चारण करना सिखाएँ तथा उन्हें बताएँ कि “इ” की मात्रा (ि) व्यंजन के बाईं ओर लगाई जाती है।

बोल-बोलकर पढ़िए।

दिन निकल आया। अमित उठ।

आलस मत कर।

किरण चिड़िया मत पकड़।

नहाकर सितार बजा।

अमित खटिया उठा।

चादर, तकिया रख।

दिन निकल आया।

विमल, मिहिर आ गए।

विमल सितार लाया।

मिहिर गिटार लाया।

अभ्यास

चित्र देखकर नाम लिखिए–

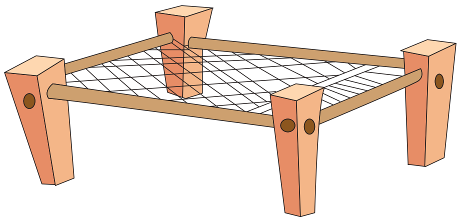

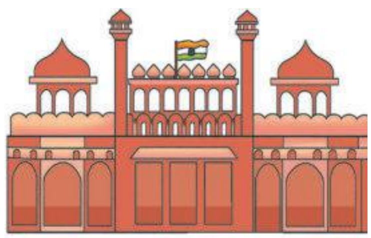

ई 'ी' की मात्रा

चित्र देखिए और अक्षरों को जोड़कर शब्द पढ़िए–

घ + ड़ + ी
= घड़ी

च + ी + त + ा
= चीता

त + ी + न
= तीन

र + ा + न + ी
= रानी

ह + ा + थ + ी
= हाथी

च + ी + न + ी
= चीनी

पढ़िए और समझिए

जीत	मीत	रीत	गीत
तीन	नानी	रानी	वीर
दीवार	कमली	पीतल	हाथी
लाली	सीता	गीता	गाली
पीली	नीली	असली	नकली

शिक्षण निर्देश

शिक्षक बच्चों को "ई" की मात्रा (ी) का शुद्ध उच्चारण करना सिखाएँ तथा उन्हें बताएँ कि "ई" की मात्रा (ी) व्यंजन के दाईं ओर लगाई जाती है।

बोल-बोलकर पढ़िए।

गीता आई। माला आई।
नानी भी आई। वह पीली साड़ी
पहन कर आई। नील तितली
मत पकड़। इधर आ। नानी आई।
मीठी मिठाई खा।
नानी तरह तरह की बरफी भी
लाई। मावा बरफी, मलाई बरफी।
ताजा-ताजा गरी की बरफी।
लाल, हरी, नीली बरफी। गीता
खाती पीली बरफी।

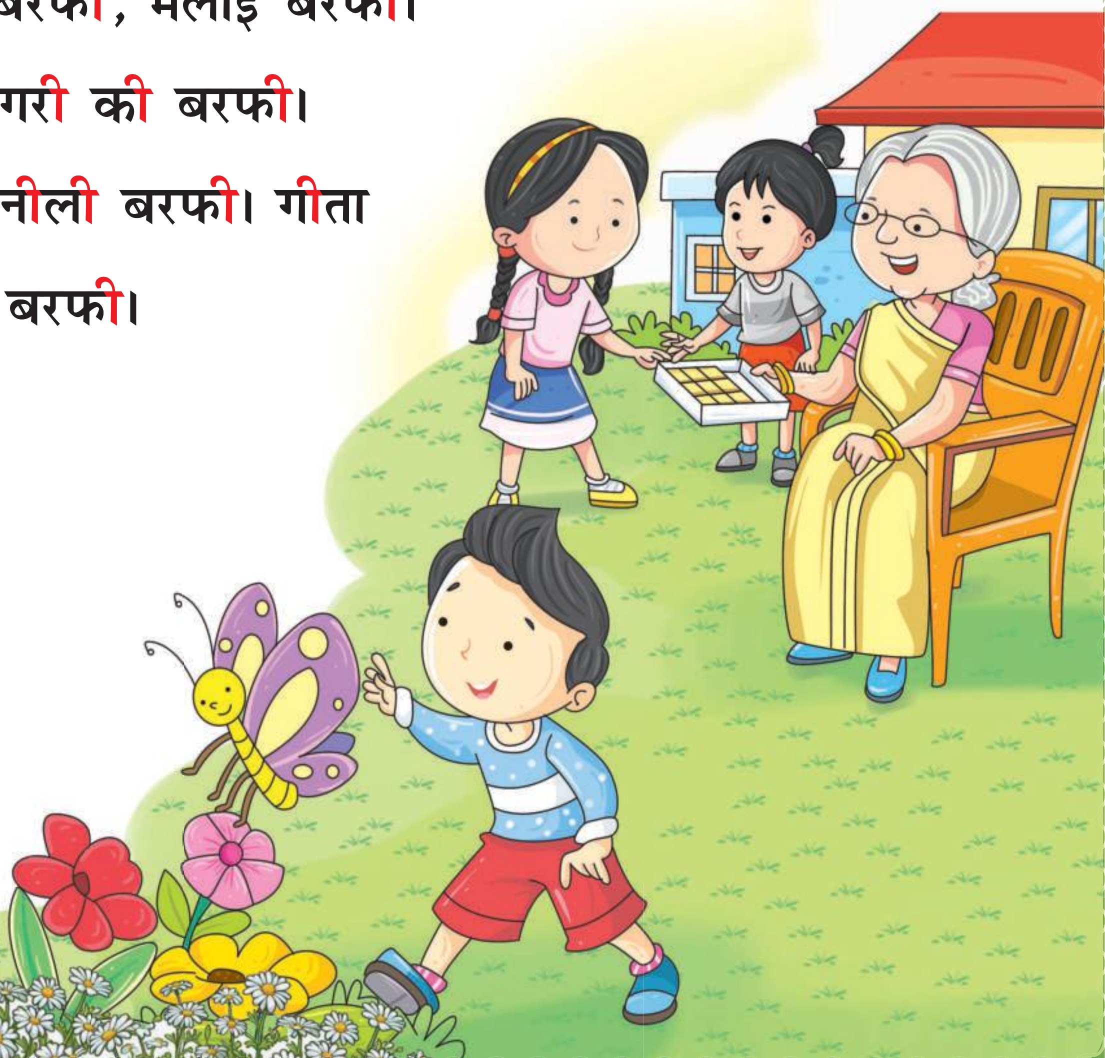

अभ्यास

1. दिए गए चित्रों के सही नाम पर गोला लगाइए–

कमिज़ करीज़ कमीज़

मड़की मकड़ी लकड़ी

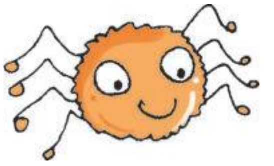

घड़ा घड़ घड़ी

दादी रानी राना

2. चित्रों की सहायता से वाक्य पूरे करिए–

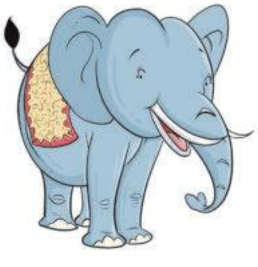

________ आया।

________ जला।

________ आई।

उ 'ु' की मात्रा

चित्र देखिए और अक्षरों को जोड़कर शब्द पढ़िए–

ध + न + ु + ष

धनुष

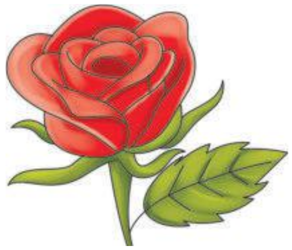

ग + ु + ला + ब

गुलाब

ग + ु + ड़ि + या

गुड़िया

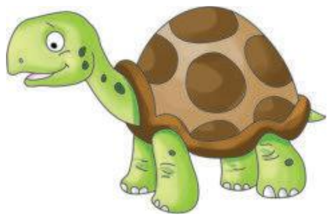

क + छ + ु + आ

कछुआ

सा + ब + ु + न

साबुन

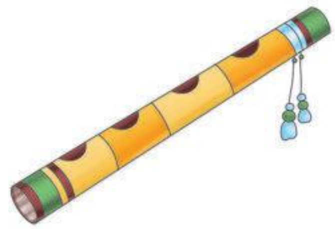

म + ु + र + ली

मुरली

पढ़िए और समझिए

चुनरी	लुटिया	मधुर	बुखार
कुम्हार	बगुला	सुबह	लुहार
पशु	तुला	कुटिया	चुहिया
ठाकुर	दुकान	गुलाब	साधु

शिक्षण निर्देश

शिक्षक बच्चों को "उ" की मात्रा (ु) का स्पष्ट उच्चारण करना सिखाएँ तथा यह समझाएँ कि "उ" की मात्रा (ु) व्यंजन के ठीक नीचे जोड़ी जाती है, जैसे– क + ु = कु।

बोल-बोलकर पढ़िए।

सुबह हुई। तनु उठ।

दातुन कर। मुख साफ कर।

यमुना तक जा। साबुन मल कर नहा।

उपवन तक चल।

गुलाब चुन। गुलाब की माला बना।

यमुना तट पर एक कुटिया।

कुटिया में रहता एक मुनि।

मुनि का काम करना तपस्या।

फटा पुराना उसका दुशाला।

पीला हिरण उसका दुलारा।

अभ्यास

दिए गए अक्षरों को सही क्रम में लिखकर शब्द बनाइए–

रमुली

लाबगु

टिलुया

सुमकु

राहीसु

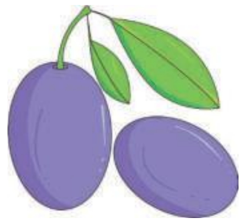

मुनजा

दानतु

बुनसा

चुयाहि

ऊ 'ू' की मात्रा

चित्र देखिए तथा अक्षरों को मिलाकर शब्द लिखिए–

भ + ा + ल + ू

भालू

त + रा + ज + ू

तराजू

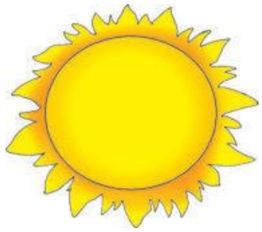

स + ू + र + ज

सूरज

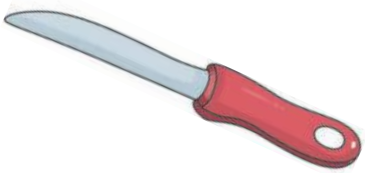

चा + क + ू

चाकू

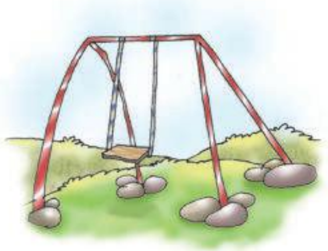

झ + ू + ला

झूला

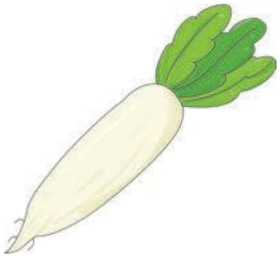

म + ू + ली

मूली

पढ़िए और समझिए

दूध	धूप	भूल	धूल
धूम	चूहा	तराजू	चूजा
कबूतर	जादू	चूहा	झाड़ू
झूला	फूल	जूता	फूलदान

शिक्षण निर्देश

शिक्षक बच्चों को "ऊ" की मात्रा (ू) का स्पष्ट उच्चारण करना सिखाएँ तथा यह समझाएँ कि "ऊ" की मात्रा (ू) व्यंजन के नीचे दाईं ओर लगती है, जैसे– ग + ू = गू।

बोल-बोलकर पढ़िए।

सूरज चमका।

फूल खिला।

धूप निकली।

राजू, नीलू व मीनू आए।

कबूतर दाना खाकर खुश हुए।

बड़ा मज़ा आया।

डम डम डम डमरू बाजा।

छम-छम-छम भालू नाचा।

शालू लाई चावल आलू।

खा गया झटपट भूखा भालू।

अभ्यास

नीचे लिखे शब्दों को उनके चित्रों से मिलाइए–

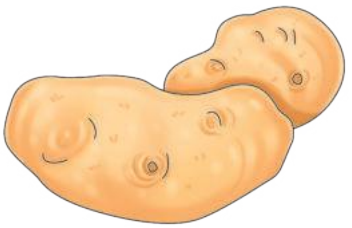

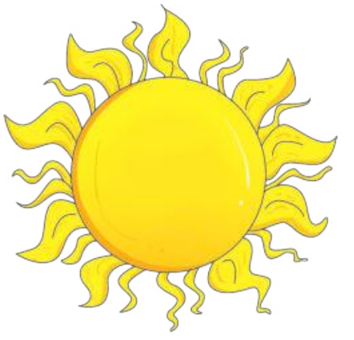

डमरू

सूरज

फूलदान

झूला

आलू

चाकू

बूढ़ा

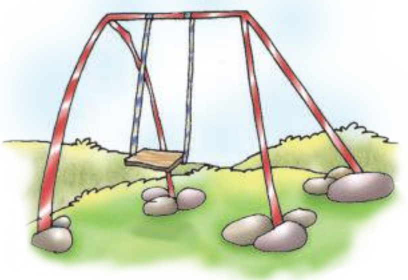

ऋ ‘ ृ ’ की मात्रा

चित्र देखिए और अक्षरों को जोड़कर शब्द पढ़िए–

ग + ृ + ह

गृह

म + ृ + ग

मृग

न + ृ + प

नृप

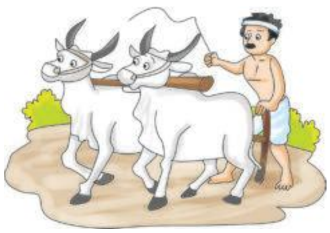

क + ृ + ष + क

कृषक

व + ृ + द् + ध

वृद्ध

व + ृ + क्ष

वृक्ष

पढ़िए और समझिए

घृत	मृत	मृग	कृत
कृपा	कृष्णा	कृति	अमृत
नृप	वृक्ष	प्रकृति	पृथा
कृपाण	गृहिणी	वृथा	गृह

शिक्षण निर्देश

शिक्षक बच्चों को “ऋ” की मात्रा (ृ) का शुद्ध उच्चारण करना सिखाएँ तथा उन्हें बताएँ कि “ऋ” की मात्रा (ृ) व्यंजन के नीचे छोटी वक्र रेखा के रूप में लगाई जाती है, जैसे– क + ृ = कृ।

बोल-बोलकर पढ़िए।

दृग मृग घृत कृषि ऋषि
गृह नृप वृक्ष कृति कृमि
तृण। घृणा कृपया तृतीया
वृषभ पृथक सृजन मृतक
कृतज्ञ अमृत।

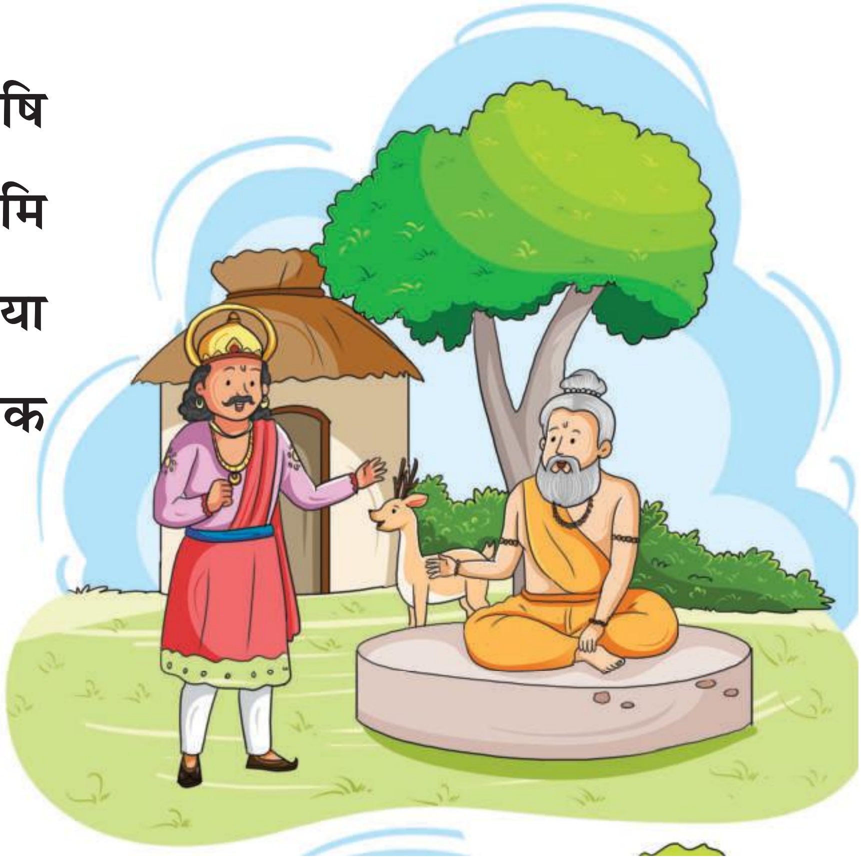

मृदुला आ। कृपालु बन। कृपण
मत बन। बाहर ऋषि का मृग
आया। मृदु तृण खिला। तृषित
मृग की प्यास बुझा।

अभ्यास

1. निम्नलिखित शब्दों में ऋ (ृ) की मात्रा लगाइए–

कपा	अमत	घणा
आकति	घत	कपालु

2. ऋ (ृ) की मात्रा वाले शब्दों पर गोला लगाओ–

ग्रह गरह गृह

नृप नीरप निरप

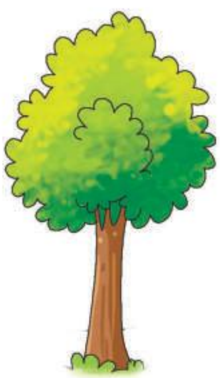

वरक्क्ष वृक्ष वरिकस

ए 'े' की मात्रा

चित्र देखिए तथा अक्षरों को मिलाकर शब्द पढ़िए–

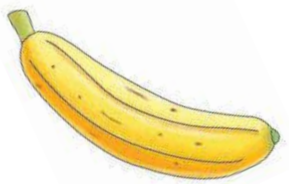

क + े + ला
केला

क + प + ड़ + े
कपड़े

ग + ण + े + श
गणेश

प + े + ड़
= पेड़

स + प + े + रा
सपेरा

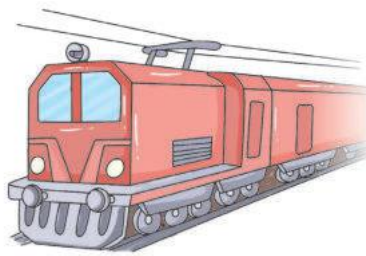

र + े + ल
रेल

पढ़िए और समझिए

रेल	तेल	खेत	बरेली
मेहमान	हवेली	केतली	बेल
सेवक	जेब	बेटा	चेला
खेल	सेठ	लेखक	बसेरा

शिक्षण निर्देश

शिक्षक बच्चों को "ए" की मात्रा (े) का शुद्ध उच्चारण करना सिखाएँ तथा उन्हें बताएँ कि "ए" की मात्रा (े) व्यंजन के ऊपर लगाई जाती है, जैसे– क + े = के।

बोल-बोलकर पढ़िए।

सवेरा हुआ।

बरेली से रेल आई।

मेहमान आए। केतली लाए।

मेला देखने गए।

मेले में जलेबी खाई।

सेब और केले भी खाए।

रमेश, केशव, महेश,

लेखा, नेहा, मेला देखने गए।

रमेश ने जूते खरीदे।

केशव झूले पर झूला।

नेहा ने पेड़े खरीदे। लेखा ने भेलपूरी खाई।

महेश के साथ सबने सपेरे का तमाशा देखा।

अभ्यास

1. नीचे लिखे वाक्यों को चित्रों के नाम लिखकर पूरा कीजिए।

मनीषा ने गरम-गरम ____________ खाई।

माही ने ____________ 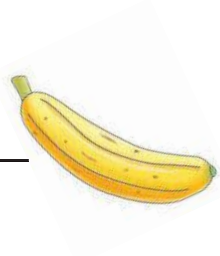 खाया।

____________ पर कबूतर का घर है।

नायरा ____________ पहन लो।

नानी ____________ लाई।

____________ की चाय गरम है।

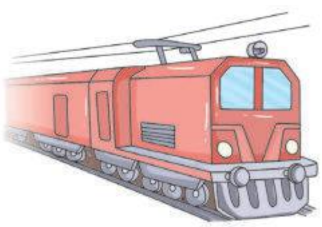 ____________ से पिता जी आए।

ऐ 'ै' की मात्रा

चित्र देखिए और अक्षरों को मिलाकर शब्द पढ़िए–

न + ै + न

नैन

म + ै + ना

मैना

थ + ै + ला

थैला

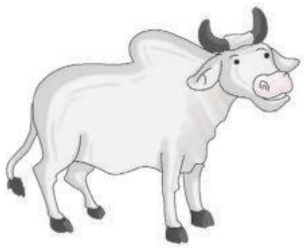

ब + ै + ल

बैल

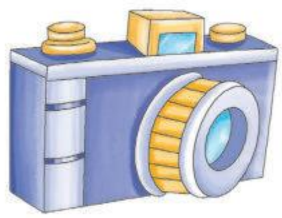

क + ै + म + रा

कैमरा

त + त + ै + या

ततैया

पढ़िए और समझिए

थैला	नैन	बैसाखी	पैदल
तैर	पैर	सैर	भैया
सैनिक	तैराक	वैभव	नैया
मैल	रैना	शैतान	डकैत

शिक्षण निर्देश

शिक्षक बच्चों को "ऐ" की मात्रा (ै) का शुद्ध उच्चारण करना सिखाएँ कि "ए" की मात्रा (ै) व्यंजन के ऊपर लगाई जाती है, जैसे क + (ै) = कै।

बोल-बोलकर पढ़िए।

नैना जूता पहनकर आई।
सैर पर चल।
मैना का खेल देख।
मैदान तक टहल।
कैमरा मुझे दे।
बैलगाड़ी पर बैठ।
शैतानी मत कर।

वैभव भैया नैनीताल से आए।
थैला अटैची लाए।
मैला थैला लेकर आए।
अटैची में पैसे लाए।
शैफाली शैलेश हैरान हुए।
भैया मैना लेकर आए।

अभ्यास

समान दिखने वाले शब्दों को एक-दूसरे से मिलाइए–

थैला	मैया	सैनिक
मैया	थैला	
डकैत	नैनीताल	बैठक
बैठक	थैला	
नैनीताल	पैदल	डकैत
सैनिक	पैदल	

ओ 'ो' की मात्रा

चित्र देखिए और अक्षरों को जोड़कर शब्द पढ़िए–

अ + ो + ख + ली

ओखली

ज + ो + क + र

जोकर

त + ो + ता

तोता

क + ो + ट

कोट

ख+ र + ग + ो + श

खरगोश

म + ो + ह + न

मोहन

पढ़िए और समझिए

घोड़ा	सोना	थोड़ा	भोजन
टोपी	मोना	लोमड़ी	टोकरी
खोना	धोबी	रोना	दोस्त
होटल	घोटाला	गोभी	खोट

शिक्षण निर्देश

शिक्षक बच्चों को 'ओ' की मात्रा (ो) का उच्चारण करवाएँ और बोर्ड पर चित्र सहित शब्द लिखकर दिखाएँ। समझाएँ कि यह मात्रा (ो) व्यंजन के ऊपर और दाईं ओर लगती है। जैसे– ट + ो = टो।

बोल-बोलकर पढ़िए।

सोहन शोर मत मचा। योग कर।

मोहन कोट पहन। बोतल भरकर पानी

ला। मोना टोकरी उठा।

धोबी के पास जा। कपड़े धुला।

अब समोसा खाओ।

दोपहर के भोजन का समय हो गया।

सोहन, मोहन भोजन के लिए आओ।

रोहन बोला जाकर पहले पोखर में नहाओ।

फिर आकर भोजन करो।

फल की टोकरी से फल खाओ।

अभ्यास

नीचे दिए गए शब्दों में ओ 'ो' की मात्रा लगाओ–

च — र   म — र   र — टी

म — टर   ध — ब   अखर — ट

कट — रा   त — ता   ट — करी

ह — टल   क — ठरी   द — पहर

घ — ल   ज — र   श — र

ब — तल   सम — सा   ल — मड़ी

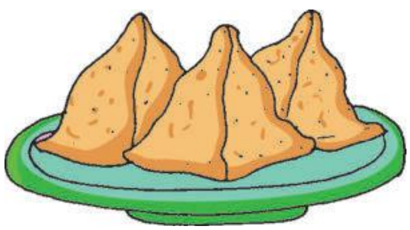

औ 'ौ' की मात्रा

चित्र देखिए और अक्षरों को जोड़कर शब्द पढ़िए–

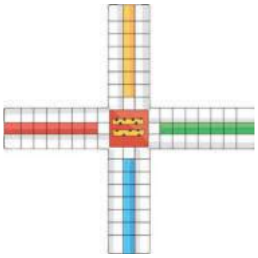

च + ौ + प + ड़
चौपड़

क + ौ + आ
कौआ

फ + ौ + जी
फौजी

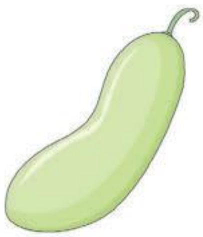

ल + ौ + की
लौकी

अ + ौ + र + त
औरत

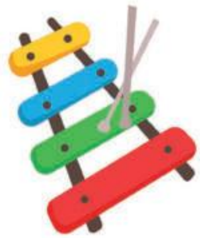

खि + ल + ौ + ना
खिलौना

पढ़िए और समझिए

मौसी	मौन	गौरव	मौज
चौकीदार	कौरव	जौहरी	पकौड़ी
चौराहा	दौड़कर	गौरी	हौज
कचौड़ी	कौशल	मौसम	बिछौना

शिक्षण निर्देश

शिक्षक बच्चों को 'औ' की मात्रा का उच्चारण मजेदार ढंग से कराएँ और समझाएँ कि 'औ' की मात्रा दो आवाज़ों को मिलाकर बनती है– अ + उ = औ। जैसे– न + औ = नौ।

बोल-बोलकर पढ़िए।

मौसी आई। खिलौना लाई।

गौरव चौराहे तक दौड़कर जा।

मौसी की मदद कर।

गौरी और गौतम आओ।

मौसी को पकौड़ी खिलाओ।

फौजी दौलत राम एक बौना है।

बौने ने कचौड़ी और पकौड़ी खाई।

बौने का शरीर मोटा है।

बौना रोज चौदह रोटी खाता है।

नौ लोटे पानी पीता है।

अभ्यास

नीचे दिए गए चित्रों को उनके नाम से मिलाइए–

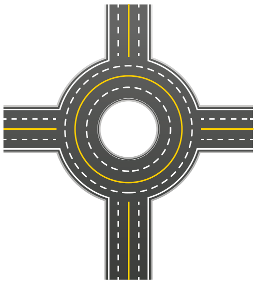 • • पकौड़ी

• • फौजी

• • बिछौना

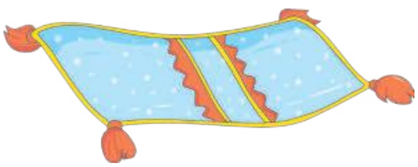 • • तौलिया

• • चौराहा

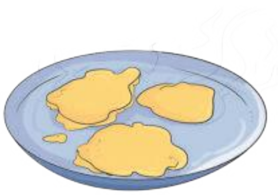 • • औरत

अ ‘ ं ’ की मात्रा

चित्र देखिए और अक्षरों को जोड़कर शब्द पढ़िए–

अ + ं + क

अंक

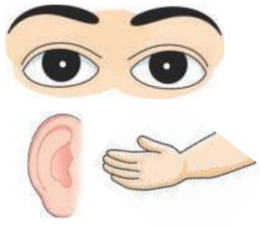

अ + ं + ग

अंग

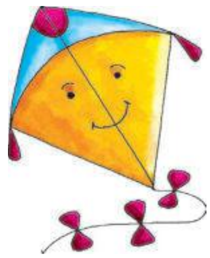

प + त + ं + ग

पतंग

ब + ं + द + र

बंदर

क + ं + घा

कंघा

अ + ं + गू + र

अंगूर

पढ़िए और समझिए

अंग	शंख	संग	पंख
अंगूर	मंगल	शंकर	चंदर
यंत्र	मंत्र	दंगा	गंगा
कंघा	रंग	कंकड़	मंत्र

शिक्षण निर्देश

शिक्षक बच्चों को बताएँ कि ‘अं’ एक नाक से बोली जाने वाली आवाज़ है। जब किसी अक्षर के ऊपर बिंदु (ं) लगता है, तब उसमें “ ं ” की नाक वाली ध्वनि आती है। जैसे– अ + ं = अं।

बोल-बोलकर पढ़िए।

मयंक जंगल में जा।

चंदर आया। मंगल आया।

सबने मिलकर अंगूर खाए।

पेड़ पर लंगूर बैठा था।

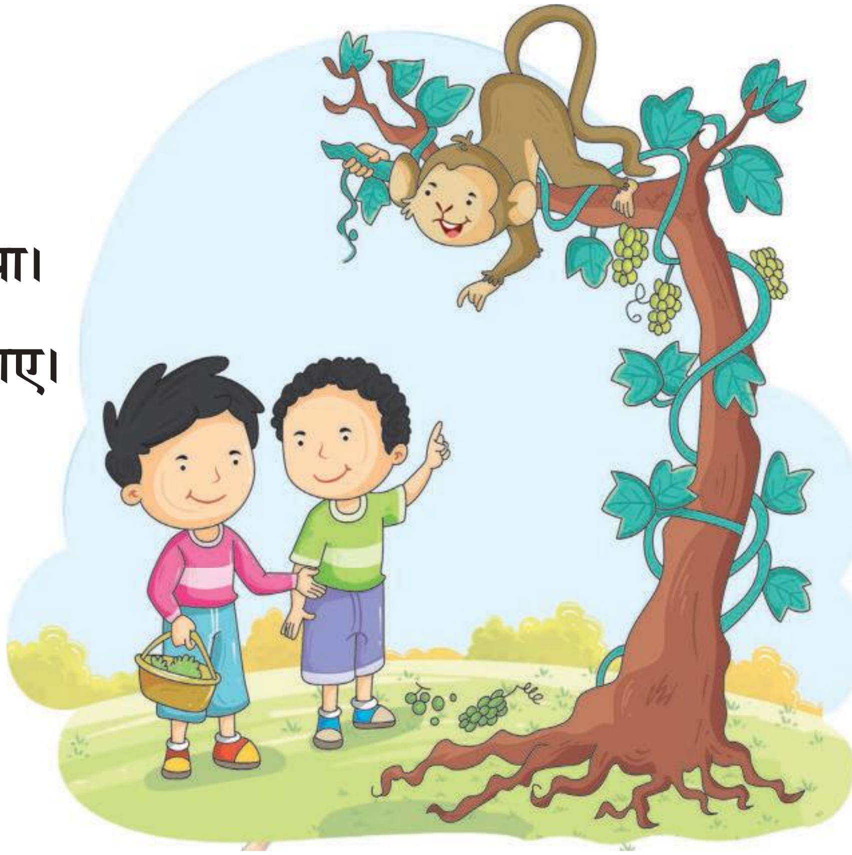

अंग रंग तंग शंख पंच अंश

अंक डंका लंका झंडा डंडा।

अंडा मंजन लंगूर चंचल

चुकंदर बवंडर रंगबिरंगा।

अभ्यास

अं की मात्रा लगाकर सही शब्द लिखिए–

अग – ____________________

बदर – ____________________

कघा – ____________________

शख – ____________________

अगूर – ____________________

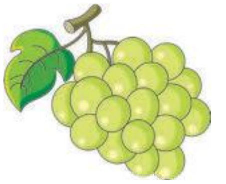

हस – ____________________

गगा – ____________________

रग – ____________________

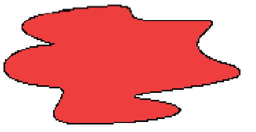

मगल – ____________________

अः ‘ ः ’ की मात्रा

नीचे देखिए और अक्षरों को जोड़कर शब्द पढ़िए–

प्र + ा + त + ः	न + म + ः	छ + ः
प्रातः	नमः	छः

पढ़िए और समझिए

पुनः	अतः	दुःख	तपः
प्रायः	शनैः	क्रमशः	स्वतः

नीता प्रातः उठ।

सैर को जा।

प्रातः ईश्वर का

ध्यान कर।

शनैः शनैः चलो।

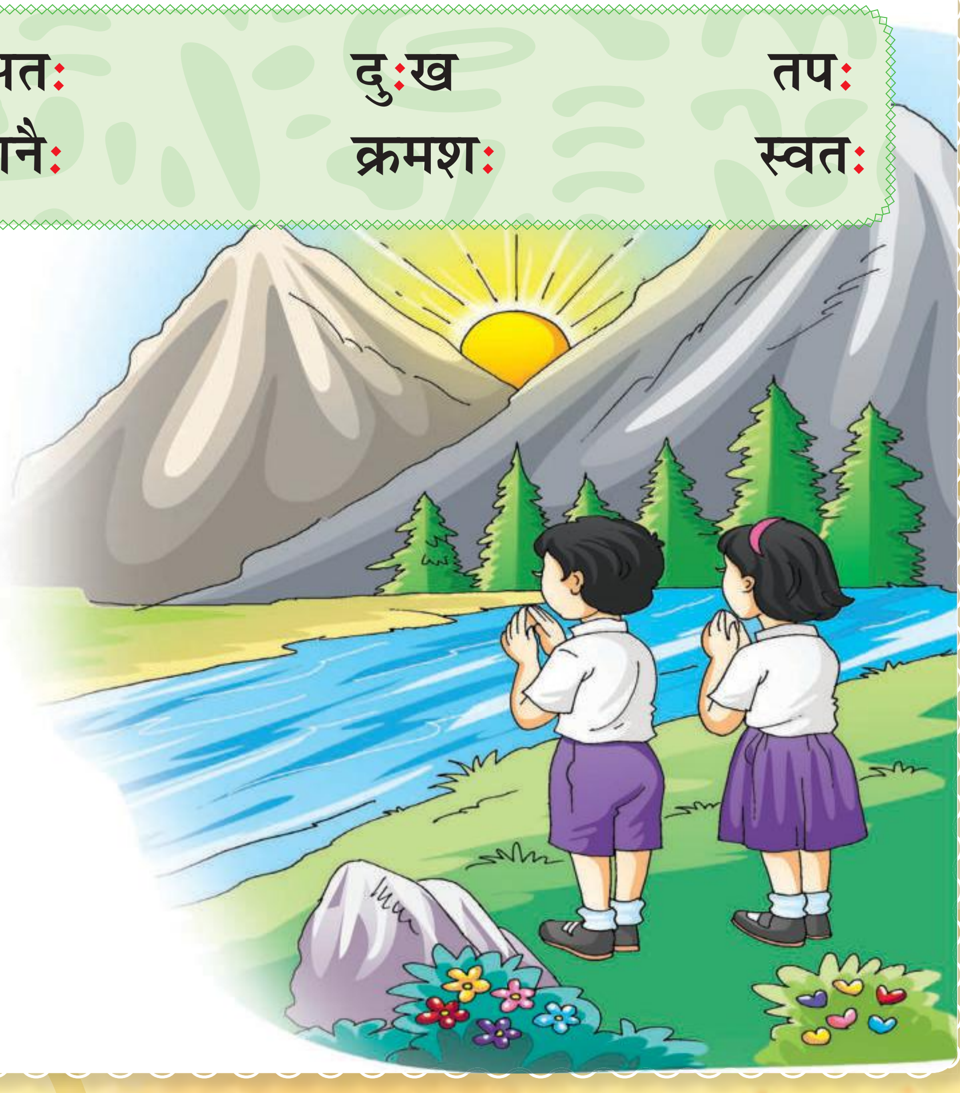

अभ्यास

अः (ः) की मात्रा से बने पाँच शब्द लिखिए–

__________ __________ __________

__________ __________

नीचे दिए गए शब्दों में अः (ः) की मात्रा लगाइए–

पुन – __________

शनै – __________

अत – __________

फलत – __________

क्रमश – __________

प्राय – __________

रेफ (र्) की मात्रा

चित्र देखिए तथा अक्षरों को मिलाकर शब्द पढ़िए–

प + र् + स
पर्स

फ + र् + श
फर्श

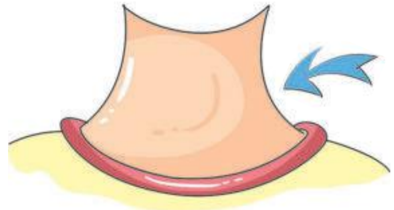

ग + र् + द + न
गर्दन

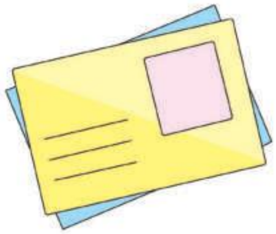

का + र् + ड
कार्ड

मु + र् + गा
मुर्गा

स + र् + प
सर्प

पढ़िए और समझिए

नर्स	धर्म	नर्म	शर्म
कर्ज़	निर्धन	अर्पण	गर्दन
मार्ग	पर्वत	वर्ग	अर्थ
हर्ष	शर्त	वर्ष	तर्क

शिक्षण निर्देश

शिक्षक बच्चों को रेफ ‘र्’ की मात्रा का उच्चारण करवाएँ और बोर्ड पर चित्र सहित शब्द लिखकर दिखाएँ। कि ‘र’ की आवाज़ जब किसी अक्षर के पहले आती है और ऊपर से जुड़ती है, तो उसे ‘रेफ मात्रा’ कहते हैं। जैसे, व + ‘र्’ + ष = वर्ष

बोल-बोलकर पढ़िए।

निर्मल सूर्य उदय हुआ।
बड़ों का आशीर्वाद लो।
उचित कर्म करो।
धर्म की राह पर चलो।

गर्म नर्म धर्म गर्व पर्व कर्ज हर्ष फर्श तर्क फर्क पार्क। गर्जन तर्जन दर्जन वार्षिक धार्मिक आकर्षक धर्मशाला आशीर्वाद

अभ्यास

चित्रों की सहायता से वाक्य पूरे कीजिए–

शांतनु चलो __________ में झूला झूलेंगे।

__________ बहुत सुंदर है।

__________ को मेज़ पर रख दो।

बहुत तेज़ __________ हो रही है।

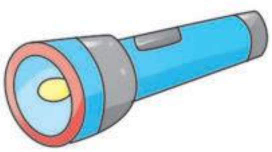 __________ जला लो। अँधेरा हो रहा है।

__________ जहरीला है।

__________ उदय हो गया।

पदेन (⸍ , ˏ , ‸)

ट्र + क ट्रक	मे + ट्रो मेट्रो	क्रि + के + ट क्रिकेट

भ्र + म + ण भ्रमण	ड्र + म ड्रम	ड्रे + स ड्रेस

पढ़िए और समझिए

भ्रम	उग्र	ड्रम	प्रकाश
मेट्रो	अग्र	ट्रक	क्रम
चक्र	भ्राता	ग्राम	क्रिया
ग्राहक	प्रसाद	प्रतिदिन	क्रीड़ा

शिक्षण निर्देश

शिक्षक बच्चों को 'पदेन (⸍/‸) की मात्रा' का उच्चारण करवाएँ। यह मात्रा व्यंजन के नीचे लगती है और "र" के आधे रूप को दर्शाती है, जैसे "ट्र", "द्र", "प्र" आदि।

बोल-बोलकर पढ़िए।

द्रुपद क्रिकेट खेल।

प्रवीन आ। क्रिसमस आया।

ड्राइवर गाड़ी में उपहार लाया।

चारों तरफ प्रकाश छाया।

भ्रम क्रम चक्र वक्र अग्र उग्र उम्र।

व्रत प्राण ग्राम ट्राम ब्रश भ्रष्ट चन्द्र।

भ्रमण श्रवण प्रकट प्रथम

प्रकाश प्रणाम प्रमाण।

द्रोण प्रतिज्ञा प्रतीक्षा

प्रभात सम्राट क्रमांक।

प्रतिदिन प्रतिकूल परिश्रम आक्रमण

क्रिसमस राष्ट्रीय द्रोणाचार्य।

अभ्यास

‘र’ रेफ, पदेन (ˏ , ‸) की मात्रा लगाकर शब्दों को पूरा करो–

दपण

वषा

सप

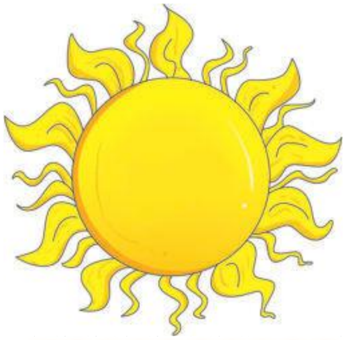

सूय

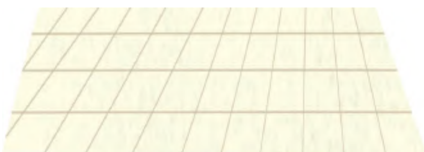

फश

पाक

बतन

पवत

रविवार की मस्ती प्यारी

सोमवार को स्कूल चलें,
मंगलवार को हम पाठ पढ़ें।
बुधवार को लिखें कहानी
गुरूवार को आए नानी।
शुक्रवार को स्कूल बंद
शनिवार को सोएँ हम।
रविवार की मस्ती प्यारी,
छुट्टी में है मौज़ हमारी।

वर्ष में महीने

जनवरी

फरवरी

मार्च

अप्रैल

मई

जून

जुलाई

अगस्त

सितम्बर

अक्टूबर

नवम्बर

दिसम्बर

गिनती (1 से 20)

	एक	ग्यारह	
	दो	बारह	
	तीन	तेरह	
	चार	चौदह	
	पाँच	पंद्रह	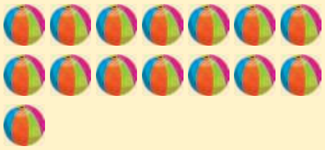
	छह	सोलह	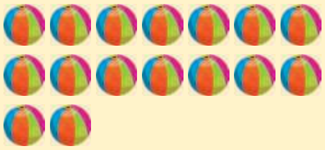
	सात	सत्रह	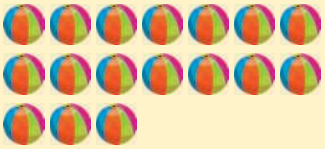
	आठ	अठारह	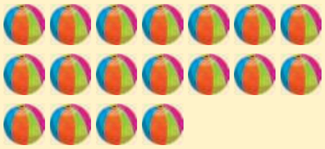
	नौ	उन्नीस	
	दस	बीस	